20. वाक्य

व्याकरण शास्त्र का तीसरा मुख्य अंग है– वाक्य विचार। इसके अंतर्गत वाक्यों की रचना पर विचार किया जाता है। वर्णों के सार्थक मेल से शब्द बनते हैं और शब्दों के सार्थक क्रम से वाक्यों को निर्माण होता है।

शिक्षण-संकेत

- छात्रों को समझाएँ कि वह शब्द समूह जो एक निश्चित अर्थ प्रकट करता है, वाक्य कहलाता है। वाक्य कई शब्दों के योग से बनता है।
- वाक्य के दो अंग होते हैं– उद्‌देश्य और विधेय।
- ब्लैकबोर्ड पर वाक्य लिखकर उसमें उद्‌देश्य और विधेय बताएँ।
- छात्रों को पृष्ठ 112-113 पर दिए गए वाक्य भेदों से परिचित कराएँ।
- समझाएँ, रचना के आधार पर और अर्थ के आधार पर वाक्यों के भेद किए जाते हैं।
- सभी भेदों को उदाहरण सहित समझाएँ।
- वाक्य बोलकर छात्रों को उनका वाक्य भेद बताने को कहें।
- सुनिश्चित करें सभी छात्र भली-भाँति विषय समझ गए हैं।